विषय सूची

अध्याय एक	**कमलेश्वर और उनका कथा-साहित्य**	1-35
1.1	व्यक्तित्व	
1.1.1	जन्म तथा परिवार	
1.1.2	शिक्षा	
1.1.3	विवाह	
1.1.4	नौकरी	
1.2	कृतित्व	
1.2.1	कहानीकार कमलेश्वर	
1.2.2	उपन्यासकार कमलेश्वर	
1.2.2.1	'एक सडक सत्तावन गलियाँ'	
1.2.2.2	'ड़ाक बंगला'	
1.2.2.3	'तीसरा आदमी'	
1.2.2.4	'समुद्र में खोया हुआ आदमी'	
1.2.2.5	'लौटे हुए मुसाफिर'	
1.2.2.6	'काली-आँधी'	
1.2.2.7	'आगामी अतीत'	
1.2.2.8	'वही बात'	

1.2.2.9	'रेगिस्तान'	
1.2.2.10	'सुबह दोपहर शाम'	
1.2.2.11	'कितने पाकिस्तान'	
1.2.3	संपादक कमलेश्वर	
1.2.4	संस्मरण साहित्य और कमलेश्वर	
1.2.5	नाटककार कमलेश्वर	
1.2.6	आलोचक कमलेश्वर	
1.2.7	यायावरी कमलेश्वर	
1.2.8	आत्मकथाकार कमलेश्वर	
1.2.9	आकाशवाणी और कमलेश्वर	
1.2.10	दूरदर्शन और कमलेश्वर	
1.2.11	फिल्मी दुनिया और कमलेश्वर	
1.3	प्राप्त पुरस्कार	
1.4	लेखकीय व्यक्तित्व	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
अध्याय दो	**जीवन मूल्य - अवधारणा एवं स्वरूप**	36-85
2.1	मूल्य की अवधारणा	

2.2	'मूल्य' : सामान्य अर्थ	
2.3	मूल्य परिभाषा एवं स्वरूप	
2.4	मूल्य का स्वरूप	
2.5	मूल्य विकास	
2.6	मूल्य वर्गीकरण एवं प्रकार	
2.7	मूल्य और साहित्य का सम्बन्ध	
2.8	जीवन -मूल्य और कथा साहित्य	
2.8.1	पारिवारिक मूल्य	
2.8.2	सामाजिक मूल्य	
2.8.3	आर्थिक मूल्य	
2.8.4	नैतिक मूल्य	
2.8.5	आध्यात्मिक मूल्य एवं सौंदर्यात्मक मूल्य	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
अध्याय तीन	**कमलेश्वर के कथा-साहित्य में जीवन मूल्य**	86-263
3.1	कमलेश्वर की कहानियाँ	
3.2	कमलेश्वर की कहानियों में जीवन	

मूल्य

3.2.1 बदलते पारिवारिक मूल्य

3.2.1.1 माता-पिता के रिश्ते में आए बदलाव

3.2.1.2 पुरानी पीढ़ी की मानसिकता में आया बदलाव

3.2.1.3 परम्परागत पत्नी के रूप में आया परिवर्तन

3.2.1.4 पारिवारिक मूल्यों पर आया आर्थिक संकट

3.2.2 सामाजिक मूल्य

3.2.2.1 प्रेम संकल्पना

3.2.3 नारी की स्थिति

3.2.4 स्त्री का मुक्ति संघर्ष

3.2.5 राजनीतिक मूल्य

3.2.6 विभाजन से उत्पन्न स्थिति

3.2.7 अस्तित्व का संकट

3.2.8 आम आदमी के प्रति दमन

3.2.9 जीवन की समस्याएँ

3.2.10 महानगर बोध

3.2.11 मशीनी संस्कार

3.2.12 मानवीयता

3.2.13 पशु-पक्षियों के प्रति मानवीयता

3.2.14 साहित्य मूल्यों की त्रासदी

3.2.15 आधुनिक सभ्यता में आध्यात्मिकता

निष्कर्ष

कमलेश्वर के उपन्यासों में जीवन मूल्य

3.3. सामाजिक उपन्यास

3.3.1 एक सडक सत्तावन गलियाँ

3.3.1.1 नारी जीवन की विसंगति

3.3.1.2 कस्बाबोध

3.3.1.3 मशीनीकरण की समस्यायें

3.3.2 डाक बंगला

3.3.2.1 नारी शोषण

3.3.2.2 पारिवारिक विघटन

3.3.3 तीसरा आदमी

3.3.3.1 नगरीकरण का प्रभाव

3.3.3.2. अकेलापन

3.3.3.3. वैयक्तिकता

3.3.4 समुद्र में खोया हुआ आदमी

3.3.4.1 आर्थिक संकट

3.3.4.2 पुरुष केन्द्रित पारिवारिक व्यवस्था

3.3.5 आगामी अतीत

3.3.5.1 मशीनीकरण

3.3.5.2. आधुनिकता

3.3.6 वही बात

3.3.6.1 नारी - क्रान्ति

3.3.7 अनबीता व्यतीत

3.3.7.1 पर्यावरण रक्षण

3.4 राजनीतिक उपन्यास

3.4.1 लौटे हुए मुसाफिर

3.4.1.1 विभाजन के परिणाम

3.4.2 काली आंधी

3.4.2.1 राजनीति और व्यक्तिसत्ता

3.4.3 रेगिस्तान

3.4.3.1 गाँधीवाद का पतन

3.4.4 सुबह ..... दोपहर..... शाम .....

3.4.4.1 अंग्रेज़ों के अत्याचारों का चित्रण

3.4.4.2 नारी गरिमा

3.5 ऐतिहासिक उपन्यास

3.5.1 कितने पाकिस्तान

3.5.1.1 भूमण्डलीकरण

3.5.1.2 सत्यान्वेषण और व्यंग्यात्मकता

3.5.1.3 विभाजन का कारण

3.5.1.4 वर्तमान के दर्पण

3.5.1.5 नवफासीवाद

3.5.1.6 राजनीतिक अंधापन

3.5.1.7 नव उपनिवेशवाद

3.5.1.8 पूँजीवाद का वर्तमान दौर

3.5.1.9 मानवीयता का लोप

3.5.1.10 मूल्यों का बदलाव

3.5.1.11 बाज़ारवादी संस्कृति की अमानवीयता

3.5.1.12 विभाजन के फलस्वरूप

3.5.1.13 विश्वपूँजीवाद की चुनौती

3.5.1.14	नव उपनिवेशवाद का जन्म	
3.5.1.15	संस्कृति से उखाटना	
3.5.1.16	नारी शोषण	
3.5.1.17	नारियों की सर्वकालीन विवशता	
3.5.1.18	उपन्यास में व्यंग्यात्मकता	
3.5.1.19	विश्लेशणात्मकता	
3.6	तिलिस्मी उपन्यास	
3.6.1	एक और चन्द्रकान्ता (दो भाग)	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूचि	
अध्याय चार	**कमलेश्वर के कथा साहित्य में शिल्प पक्ष**	264-286
4.1	कहानी :शिल्प विधान	
4.1.1	देश काल- वातावरण का चित्रण	
4.1.2	संवाद	
4.2	शैली	
4.2.1	पूर्व दीप्त शैली	
4.2.2	फैंटसी शैली	

4.2.3 मिश्रित शैली

4.2.4 व्यंग्यात्मक शैली

4.2.5 बिंबों और प्रतीकों का प्रयोग

4.3 भाषा

4.3.1 अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग

4.3.2 मुहावरों का प्रयोग

4.4 शीर्षक

निष्कर्ष

4.5 उपन्यासः शिल्प विधान

4.5.1 देशकाल वातावरण का चित्रण

4.5.2 संवाद

4.6 शैली

4.6.1 आत्मकथात्मक शैली

4.6.2 पूर्वदीजि शैली

4.6.3 व्यंग्यात्मक शैली

4.6.4 संकेतों का प्रयोग

4.6.5 प्रतीकों का प्रयोग

4.7 भाषा

4.7.1 अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग

4.7.2 मुहावरों का प्रयोग

निष्कर्ष

संदर्भ सूचि

उपसंहार 287-293

शोध छात्र के प्रकाशित आलेख की सूची 294

संदर्भ ग्रन्थ सूची 295-306

अध्याय एक

कमलेश्वर और उनका कथा-साहित्य

अध्याय दो

जीवन मूल्य - अवधारणा एवं स्वरूप

अध्याय तीन

कमलेश्वर के कथा-साहित्य में जीवन मूल्य

कमलेश्वर के उपन्यासों में जीवन मूल्य

अध्याय चार

कमलेश्वर के कथा साहित्य में शिल्प पक्ष

उपसंहार

संदर्भ ग्रन्थ सूची

शोध छात्र के प्रकाशित आलेख की सूची